राजस्थान में गैस-आधारित विद्युत संयंत्रों की स्थापना

2048. **शिवचरण सिंह :** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में कितने गैस-आधारित विद्युत उत्पादन केन्द्र (संयंत्र) स्थापित किए गए हैं ;

(ख) प्रत्येक संयंत्र द्वारा कितनी बिजली का उत्पादन किया जायेगा; और

(ग) उनमें से प्रत्येक संयंत्र का स्थापना/निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जायेगा और प्रत्येक पर कितनी धनराशि खर्च होगी ?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) 428.45 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से राजस्थान में स्थापित अन्ता संयुक्त साइकिल गैस टर्बाइन स्टेशन चरण–1 (413 मेगावाट), नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन का एक मात्र गैस-आधारित विद्युत संयंत्र है । यह स्टेशन पहले से ही प्रचालन में है ।

Demand and Supply of Power in Manipur

2049. DR. SUBRAMANIAN SWAMY: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) what is the demand and supply of power in Manipur; and

(b) what projects are being planned to bridge the gap between the supply and demand of power in the State?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI): (a) During the year 1991-92, the energy requirement in Manipur was 261.8 million units against which the availability was 257.4 million unit which represents a marginal shortage of 1.7 per cent.

(b) In order to bridge the gap between demand and supply, various measures are being taken which include strengthening of transmission and distribution lines, reduction in transmission and distribution losses implementation of short gestation projects, implementation of demand management and energy conservation measures and arranging transfer of energy from the neighbouring systems. In addition, Manipur will also get its due share from the Central Projects which are being set up in the North-Eastern Region during the 8th Plan period.

राज्य विद्युत बोर्डों पर केन्द्रीय विद्युत निगम की बकाया राशि

2050. **श्री विनोद शर्मा :** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राज्य विद्युत बोर्डों पर केन्द्रीय विद्युत निगम की भारी धनराशि बकाया है ;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1992 तक किन-किन राज्य विद्युत बोर्डों पर कितनी-कितनी धनराशि बकाया थी ;

(ग) क्या यह सच है कि उक्त निगम द्वारा बार-बार आग्रह किए जाने के बावजूद इस बकाया राशि के भुगतान की स्थिति संतोषजनक नहीं है ;

(घ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि भविष्य में राज्यों को विद्युत की पूर्ति करने के लिए एक नई नीति अपनाई जा रही है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) जी, हां । केन्द्रीय विद्युत निगमों की राज्य बिजली बोर्डों की ओर बकाया राशियों का ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण संलग्न है । **(नीचे देखिए)**

(घ) जी, नहीं ।

(ङ) ऊपर भाग (घ) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता ।